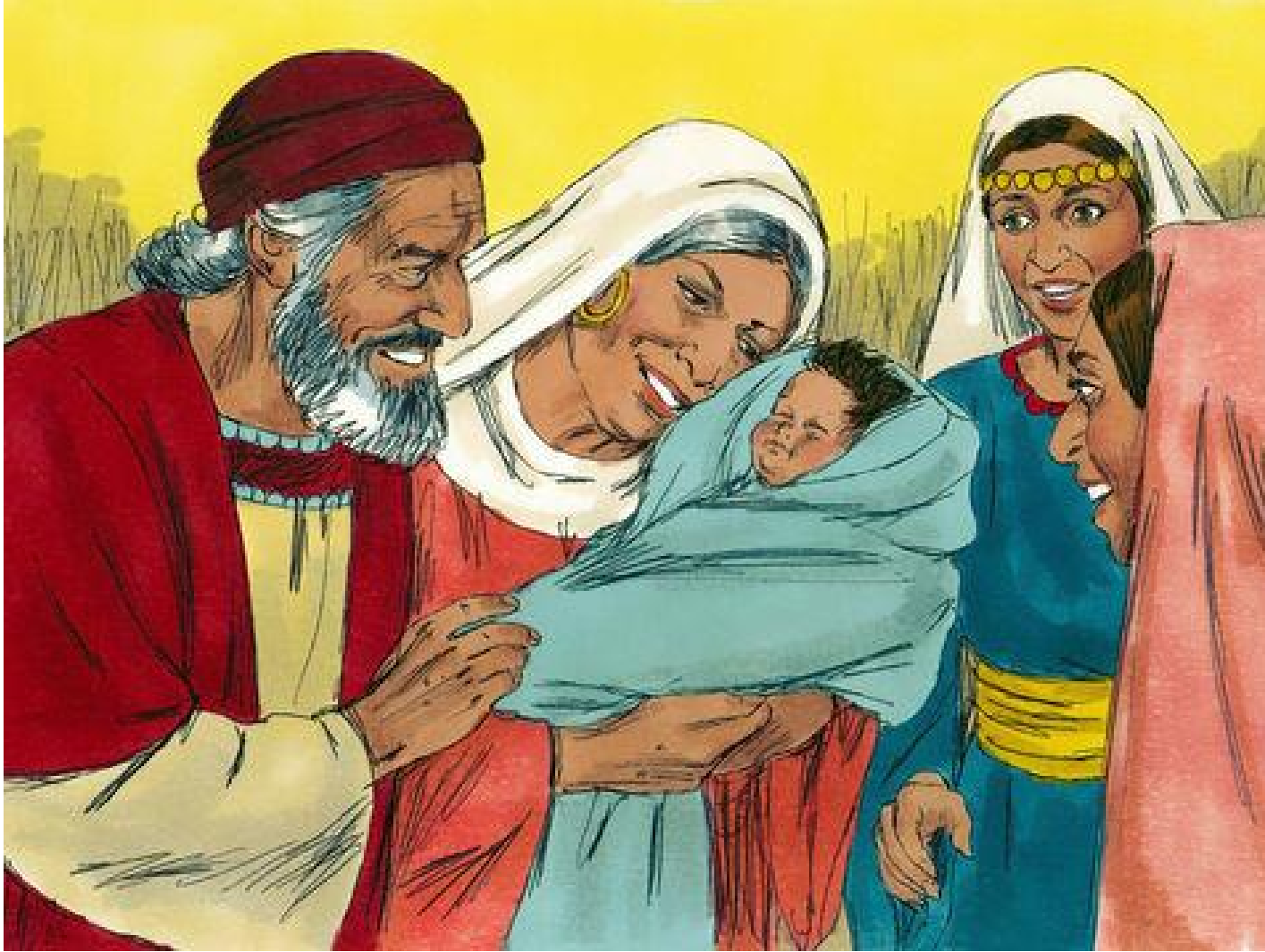


यऊना बपतिस्मा देआणै वाळै रौ जनम



Bangani

यऊना बपतिस्मा देआणै वाळै रौ जनम

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



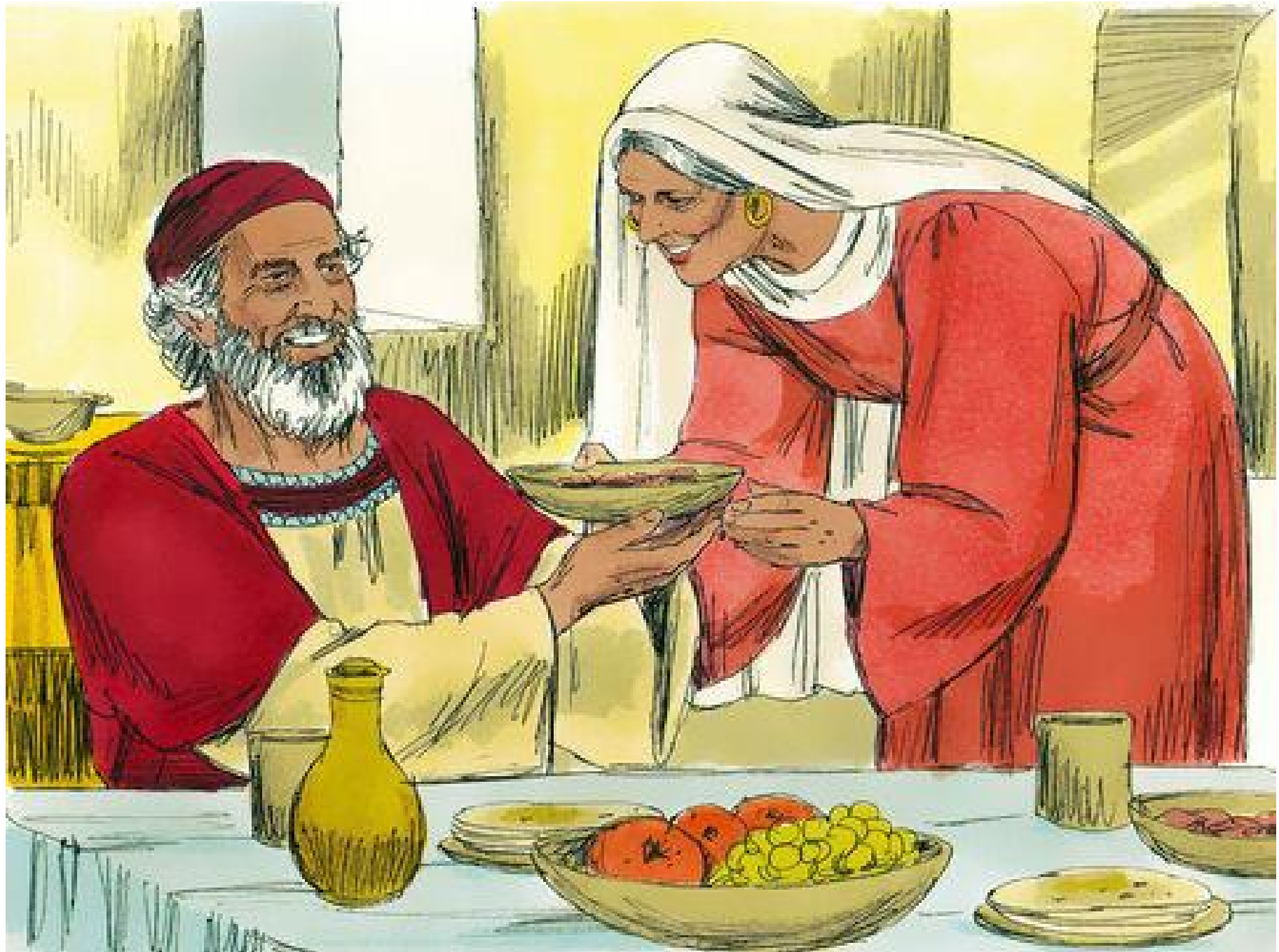
For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

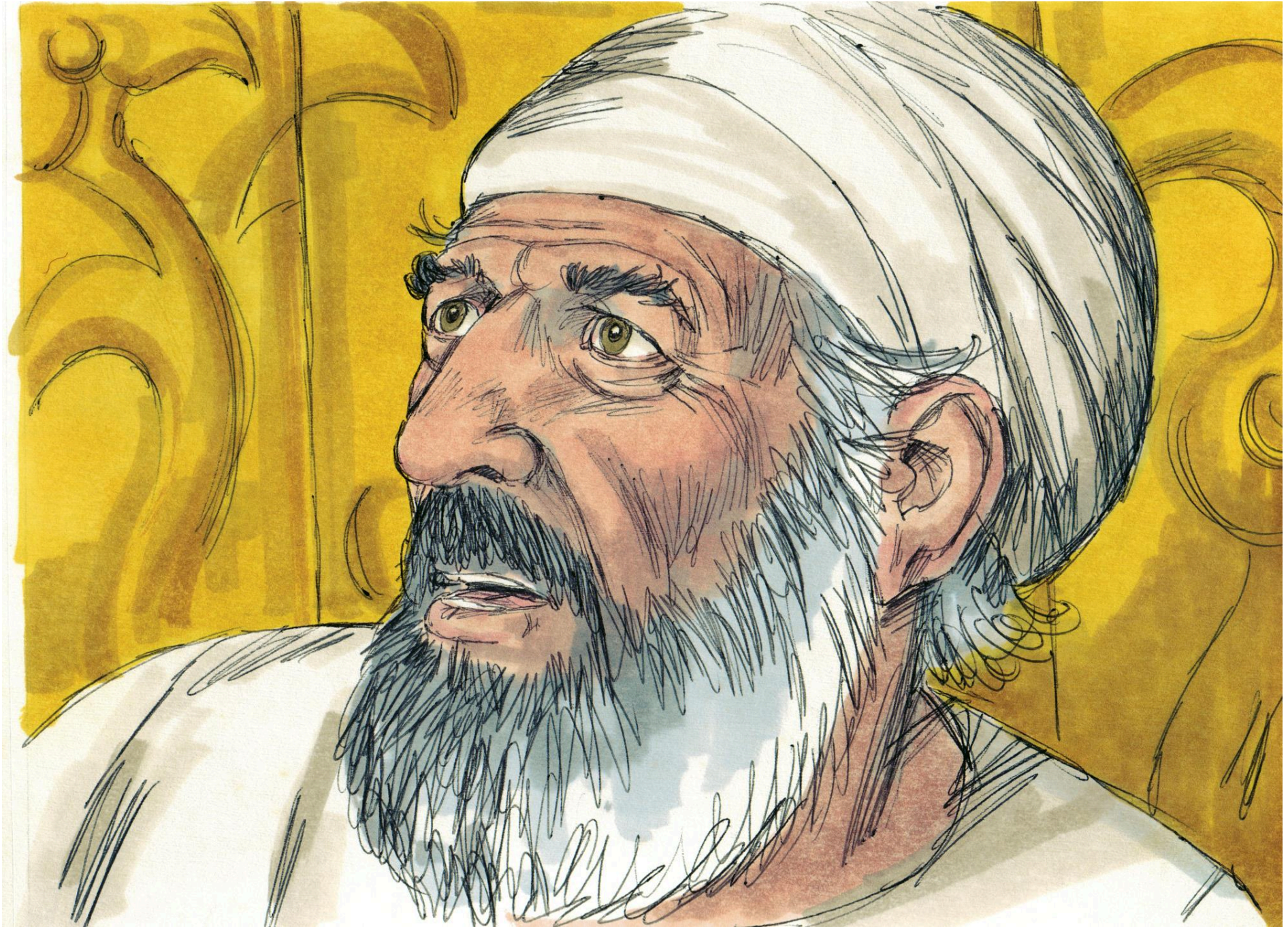
परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

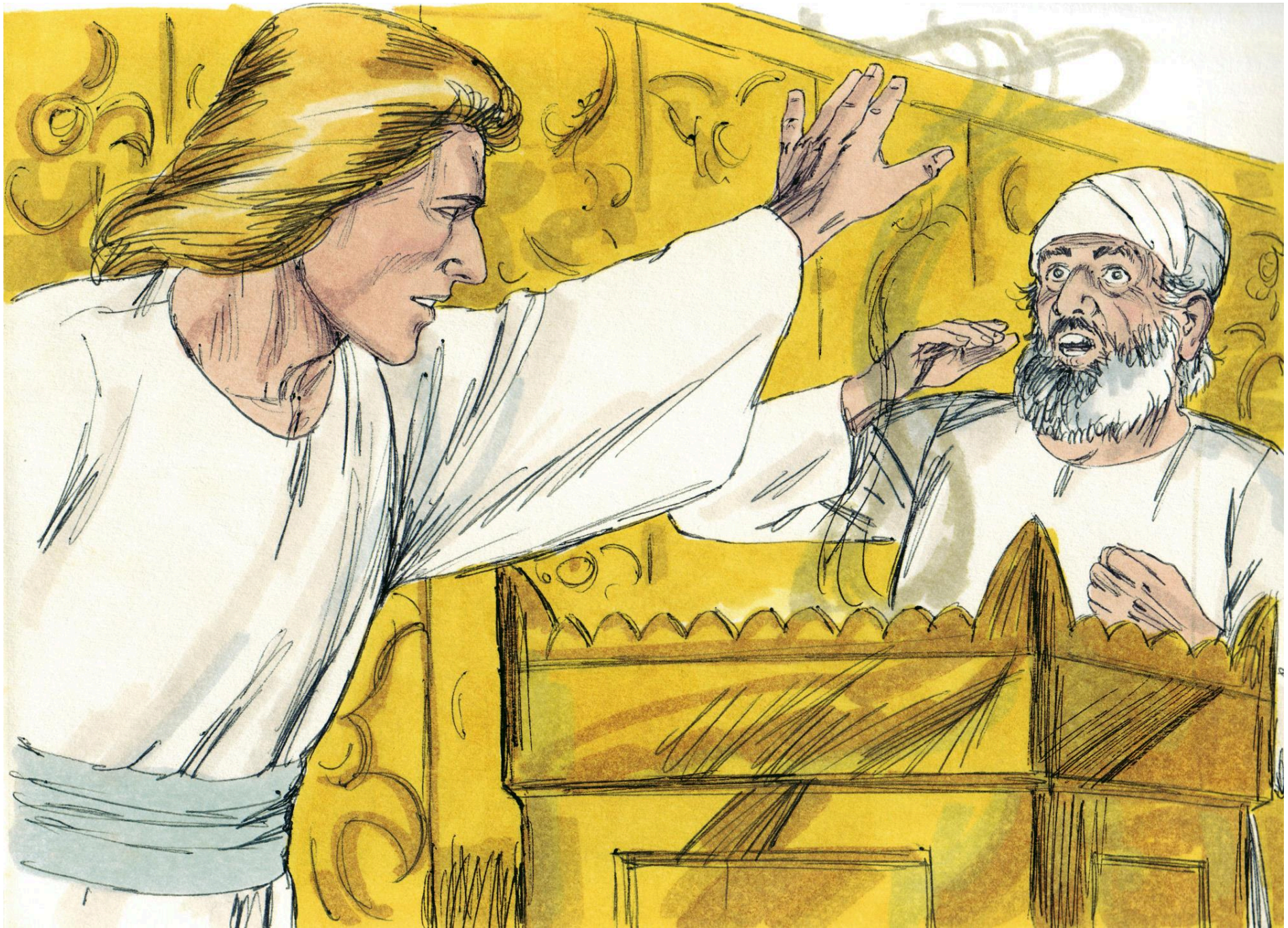
हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले का जन्म के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



राजा हैरोदेस रै बौक्ते दि जकरिया नौऊं रौ एक
याजक थौ, तेसरी छेऊड़ी रौ नौऊं इलीशिबा थौ। सै
दुईयां जौणै दौरमी थै। औज़ि परमेश्वर री सारी
आज्ञा औज़ि सारै नियम रौ पालन कौरैण थै, पर
तेसरी कोई बी संतान ना नौथि थी केलाकि
इलीशिबा बांज थी औज़ि सै दुईयां जौणै बुड़ै थै।



एक बैरै ज़ौ सतसंग बवन दी जकरिया री काम
कौरने री बारी थी, तैबै सेउ सतसंग बवन दी बित्रै
दूप ज़ौळाणेखी छाटौ, औज़ि ज़ौ सेउ सतसंग बवन
दी बित्रै दुप रौ थौ ज़ौळान्दै लागी, सेज़ौ बौक्ते दि
सारै ज़ौणै सतसंग बवन काई बालै बोशियौ प्राथना
रौयै थै कौरदै लागी।



सेज़ेइ बौक्ते दि परमेश्वर रौ एक स्वर्गदूत वेदी काई
आइयौ खौड़ौ उवौ जकरिया तेस देखियौ डौरी मौरौ
तैबै स्वर्गदूतेइ बोलौ, ए जकरिया ना डौर, केलाकि
तेरी प्राथना शुणी गोई, औज़ि इलीशिबा कौइ तेरौ
एक बेटा औयै लौ, तू तेसरौ नौऊं यऊना थौऐ।



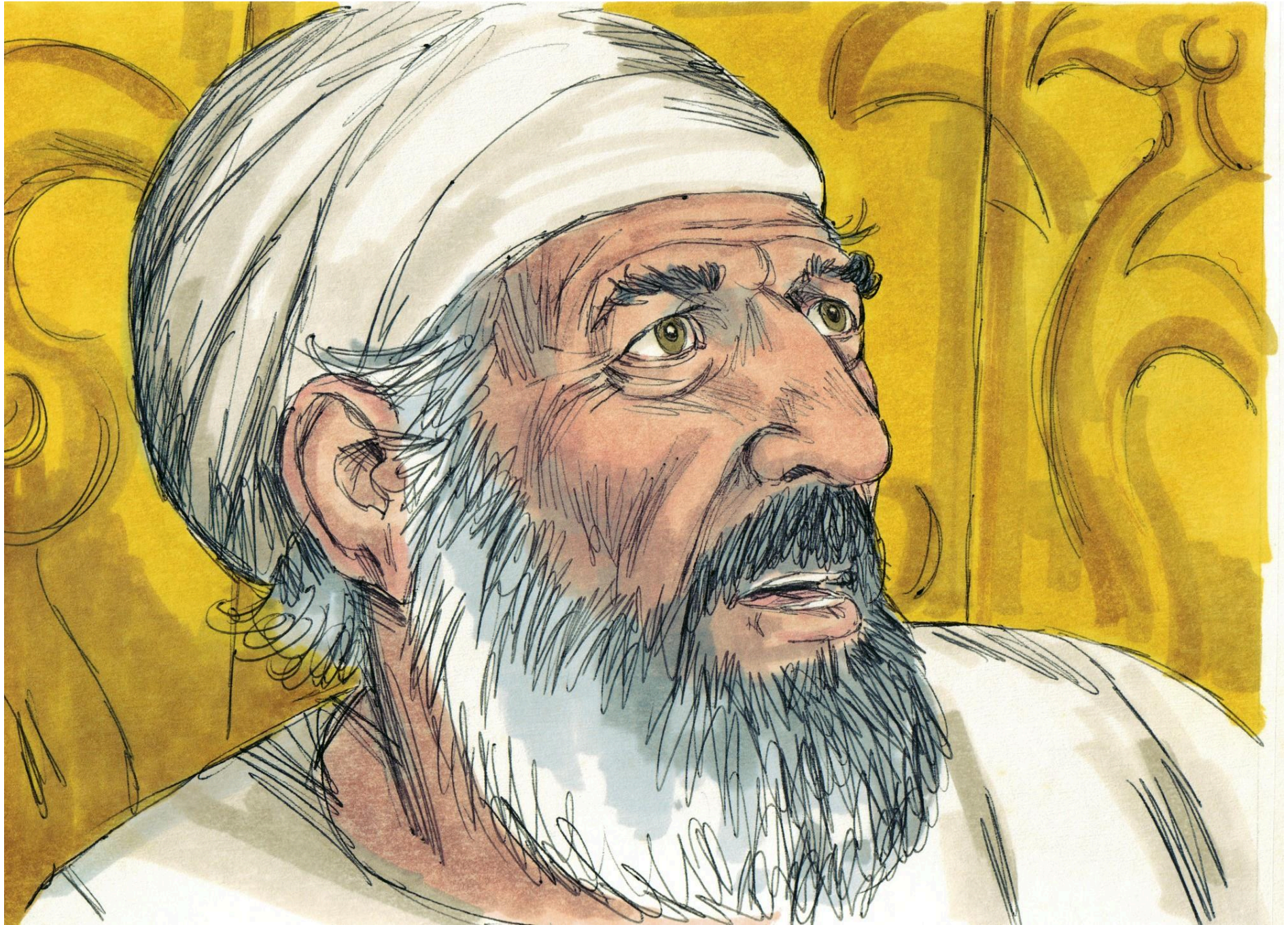
सेउ ताउँकै आनन्द औज़ि खुशी तै दैलौ, पर तेरै
साथै दुजै लोग बी तेसरै जनम कौइ खुश रौयै लै।
केलाकि सेउ पौरबु री नज़र दी महान औयै लौ।
औज़ि आपड़ी आमा रै पेटै पोरु ई कौइ पबित्र
आत्मा कौइ बरियैलौ, सेउ इस्राएलिऊं माइं कौइ
बौरी लोगु परमेश्वर री पौशेखी आपै लौ।



सेउ एलिया री आत्मा री शक्ति कौइ औगौणिकै—
औगौणिकै आंडै लौ। सेउ पिताउँ रौ ज़ीऊ तिउँरै
बेटाऊँ रै पौशै फिरा लौ। औज़ि आज्ञा ना मानणै
वाळै लोगु कै परमेश्वर रौ ज्ञान माणेखी उत्साहित
कौरै लौ।



तैबै जकरियाइ स्वर्गदूत आरी बोलौ, कि आऊँ एज़ी
बुशै केशौ ज़ाणुँ कि ऐ सौची, केलाकि आऊँ औज़ि
मेरी छेऊड़ तै दुईयां ज़ौणै बुड़ै। तैबै स्वर्गदूतेइ
जकरिया आरी बोलौ, “आऊँ सेउ ज़ुण परमेश्वर रै
सामणै खौड़ौ रौयै। आऊँ ताउंकाई बुशै लाणेखी
औज़ि एज़ी खबर बोलणेखी छाड़ौन्दौ।”



पर ताईं मेरी बुशौऊं दि बिश्वाश ना कियौ, एज़ी
बौज़ै कौइ तू सेज़ौ दूस ज़ौउं कुछ बी ना बोली
सौकै लौ, जै ज़ौउं ऐ बूशै पूरी ना ली औयै। तैबै
स्वर्गदुत तेतकौइ पोरु डैअ, तेत्कै बालै लोग
जकरिया रौ इंतज़ार रौयै थै कौरदै लागी, सै सुँचदै
लागै कि जकरिया कै सतसंग बवन दी एती बेर
केला रौई लाग्दी लागी।



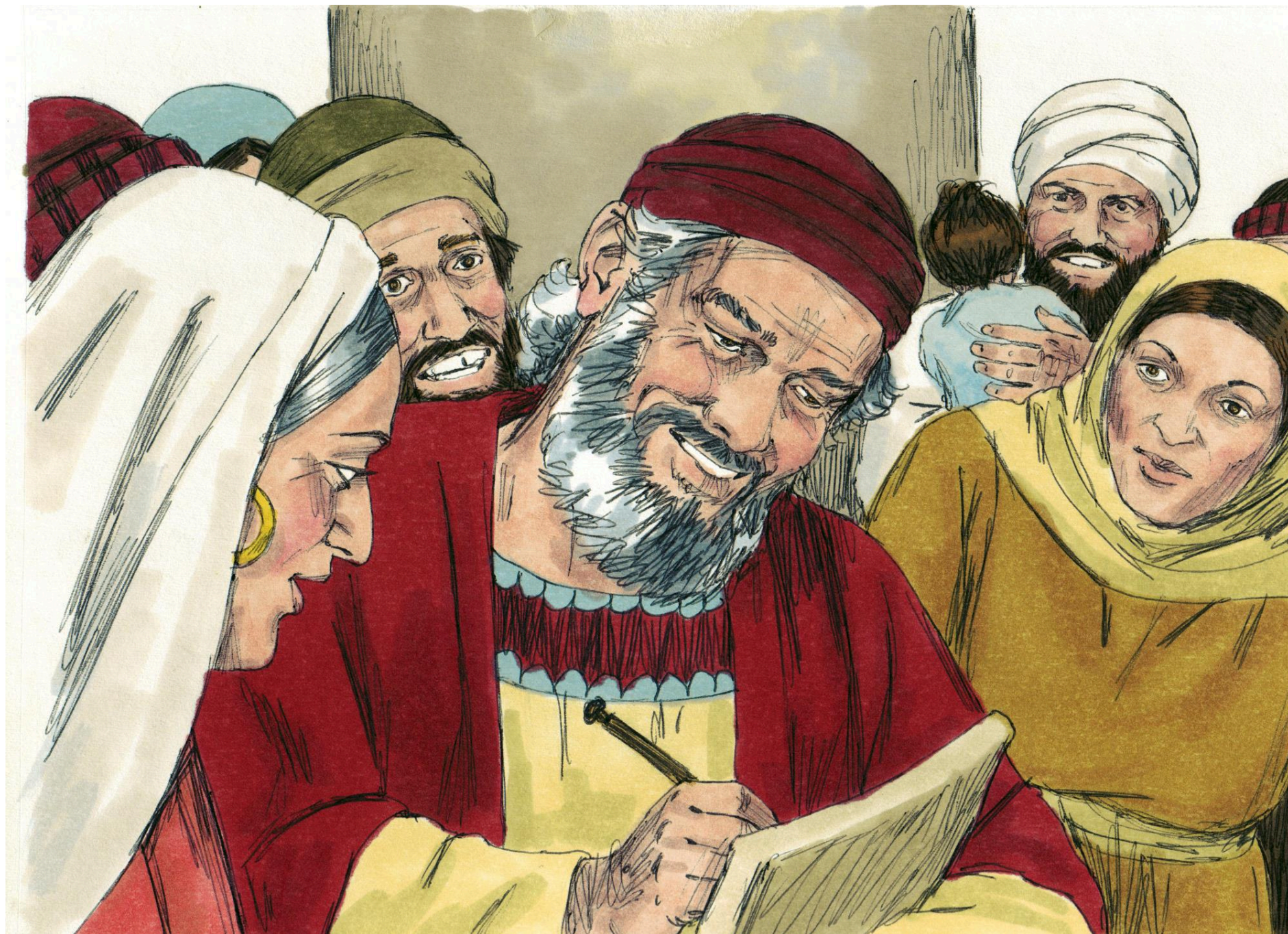
जौ जकरिया सतसंग बवन कौइ बारै आओ, तै
तेसकै लोगु आरी कुछ बी ना बोलुवौ, केलाकि
तेसरी आवाज बन्द ऊइ गोई थी। तैबै लोगु सुँचौ
कि ज़रूर ईणी सतसंग बवन दी कोई दर्शन देखौ।
तेसकै बोलिन्दै तै ना रौ लागी, पर इशारेदी रौ थौ
बोल्दै लागी।



ज़ौ सतसंग बवन दी जकरिया रै काम कौरने रै दूस
पुरै उवै, तैबै सेउ आपड़ै गौरै डैअ। तै कुछ दूस
बासियै तेसरी छेऊड़ इलीशिबा गौरकेड़ी उई।
औज़ि तिरै छौ मीनै बासियै मरियम जुण्ज़ी ईशु री
आमा थी इलीशिबा कौइ मिल्दी डेई, जेशौई तियै
इलीशिबा कै नमस्ते की तेशौइ बच्चौ तिरै पेटै पोरु
उछलौ, तेशौइ सै पबित्र आत्मा कौइ बौरुइ।



ज़ौ तिरै बच्चै जनमुणैरै दूस पुरै उवै, तैबै इलीशिबा
रौ एक माउँ उवौ। ज़ौ तिरै पौड़ोसिउँ एशौ शुणौ कि
पौरबुइ तिउँदी दया की, तैबै सै खुशियै मौनान्दै
लागै। औज़ि आठुवै दूसै तेसरै पौरिबार रै लोग
तेत्कै आए, सै तेसरौ नौउँ जकरिया थौन्दै लागै।



पर तेसरी आमाइ बोलौ कि एसरौ नौऊं यऊना
थौइण। औज़ि जकरियाइ बी लिखियौ बोलौ कि
एसरौ नौऊं यऊना। तैबै सारै लोग चकित उवै। तै
तेत्राइ जकरिया रौ मूँ खुलौ औज़ि सेउ बोल्दै लागौ,
औज़ि परमेश्वर री स्तुति कौरदै लागौ।



औज़ि तेसरै आस पास रै सारै रौणै वाळै लोग डौरदै
लागै, सै सारै ज़ौणै आपड़ै ज़ीऊ दी एशौ सुँचदै
लागै, कि एऊँ माऊँ का बोणै लौ? केलाकि एसमाइं
ज़रूर परमेश्वर रौ आथ। तेतबासियै यऊना बौड़दु
रौ, औज़ि पबित्र आत्मा दी ताकतवर औन्दु रौ,
औज़ि इस्राएल दी परकट औणे रै दूसै ज़ौउँ
ज़ांगळेदी रौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.